



॥ श्री वरुण देव क्षमा प्रार्थना ॥
॥ ॐ अपां पतये वरुणाय नमः ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ श्री वरुण देव क्षमा प्रार्थना ॥

हे जलाधिपति, सत्यस्वरूप, करुणासागर श्री वरुण देव!

मैं आपको सादर प्रणाम करता/करती हूँ।

यदि पूजा, जप, ध्यान, स्तुति, अर्चना या आराधना में मुझसे किसी भी प्रकार की त्रुटि, भूल, अशुद्धि अथवा नियमों का उल्लंघन हुआ हो, तो कृपया अपनी असीम कृपा से मुझे क्षमा करें।

हे देव! आप समस्त जल के स्वामी, धर्म के रक्षक और भक्तवत्सल हैं। मेरे मन, वचन और कर्म से हुए ज्ञात-अज्ञात सभी दोषों का नाश करें। मेरे हृदय को निर्मल जल के समान पवित्र, शांत और सात्त्विक बनाइए। मुझे सदैव सत्य, धर्म, दया, संयम और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दें।

मेरे परिवार में सुख, शांति, उत्तम स्वास्थ्य, समृद्धि और मंगल का वास हो। मेरे जीवन से भय, क्लेश, रोग, अशांति और सभी प्रकार की बाधाएँ दूर करें।

आपकी कृपा से मेरे जीवन में सद्बुद्धि, धैर्य, संतोष और ईश्वरभक्ति का निरंतर विकास हो।

अंत में मैं विनम्र भाव से आपसे प्रार्थना करता/करती हूँ—

अपराधसहस्राणि क्रियन्तेऽहर्निशं मया।

दासोऽयमिति मां मत्वा क्षमस्व वरुण प्रभो॥

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं सुरेश्वर।

यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

हे वरुण देव! मेरी पूजा को स्वीकार करें, मेरे सभी अपराधों को क्षमा करें और मुझ पर अपनी कृपा एवं संरक्षण सदैव बनाए रखें।

॥ ॐ वरुणाय नमः ॥

॥ ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥